ऐतिहासिक दास्तां

आर्किमिडीज की गुलाम

टेरी, चित्र: हेलेन फ्लुक

ऐतिहासिक दास्तां

आर्किमिडीज की गुलाम

टेरी, चित्र: हेलेन फ्लुक

विषयसूची

जानने के लिए कुछ शब्द

अध्याय एक: सिरैक्यूज़ का शेर

अध्याय दो: रोमनों का आगमन

अध्याय तीन: आर्किमिडीज की गुलेल

अध्याय चार: आर्किमिडीज का पंजा

अध्याय पांच: आर्किमिडीज का अंत

अध्याय छह: एक गुलाम का जीवन

अंत के शब्द

जानने के लिए शब्द

ईसप—एक प्राचीन यूनानी कथाकार जिनकी दंतकथायें कोई सबक सिखाती हैं.

आर्किमिडीज—एक प्रसिद्ध यूनानी गणितज्ञ (लगभग 287 ई.पू. - 212 ई.पू.).

गुलेल— युद्ध के दौरान बड़े पत्थरों को दूर फेंकने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक प्राचीन मशीन.

यूरेका—खोज करते समय आर्किमिडीज द्वारा बोला गया शब्द.

सिरैक्यूज़—इटली में सिसिली द्वीप के पूर्वी हिस्से में स्थित एक यूनानी उपनिवेश.

अंगरखा—प्राचीन यूनानियों और रोमियों द्वारा पहनी जाने वाली एक लंबी कमीज

अध्याय एक

सिरैक्यूज़ का शेर

सिरैक्यूज़, 213 ई.पू.

ईसप जो एक ग्रीक कथाकार थे ने कहा: आप किसी महान व्यक्ति के काम में हाथ बंटा सकते हैं, लेकिन उसके पुरस्कार में आपको हिस्सा नहीं मिलेगा.

मेरे मालिक को मुझे बेवकूफ़ कहना पसंद था.

"तुम मूर्ख हो, लिडा," वो कहते. "यदि तुम्हारे पास दोगुना दिमाग होता, तो भी तुम मूर्ख ही रहतीं."

कहने के लिए यह बड़ी चतुर बात थी. बेशक, मेरे मालिक, आर्किमिडीज, पूरे ग्रीस में सबसे चतुर व्यक्ति थे. अगर उन्होंने मुझे बेवकूफ बुलाया, तो शायद मैं बेवकूफ ही रही होंगी.

मैंने उनके कमरे साफ किए,

उनके कपड़े धोए,

उनके लिए खाना बनाया,

और उनकी मशीनों के परीक्षण में मदद की.

क्योंकि आर्किमिडीज एक महान आविष्कारक थे, लोग उन्हें सिरैक्यूज़ का शेर कहते थे. और वो अक्सर शेर की तरह ही मुझ पर दहाड़ते थे.

"मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि तुम्हारा दिमाग एकदम नया और कोरा है, क्योंकि तुमने कभी उसका इस्तेमाल ही नहीं किया है," उन्होंने मुझसे कहा.

"धन्यवाद, सर," मैंने जवाब दिया.

मैं काफी अनाड़ी थी. जब मैं उनकी वर्कशॉप में बोतलों और उपकरणों की धूल साफ़ करती थी, तो मैं अक्सर उन्हें गिरा देती थी.

"तुम एकदम गधी हो, लिडा," वो कहते.

"अच्छा, मैंने तुम्हें क्या बुलाया?"

"गधी," मैंने जवाब दिया.

आर्किमिडीज के स्नान करने के बारे में भी एक कहानी है. यह बहुत पहले की बात है. मैंने उसके काफी बाद ही उनके साथ काम करना शुरु किया. जब वो नहाने के टब में बैठे तो उसमें से पानी निकलकर फर्श पर बह निकला.

इसने उन्हें एक गणितीय विचार दिया जिसे मैं कभी समझ नहीं पाई. बहरहाल, उसके बाद आर्किमिडीज, स्नान-टब में से छलांग लगाकर बाहर कूदे और सभी लोगों को वो सिद्धांत बताने के लिए सड़क पर दौड़े.

"यूरेका!" वो चिल्लाए. "यूरेका" का अर्थ था कि उन्हें उसका उत्तर मिल गया था.

लेकिन आर्किमिडीज नंगे थे. उन्होंने कपड़े पहनने का इंतज़ार नहीं किया था!

वह अक्सर ऐसी साधारण बातों को भूल जाते थे. और मुझे लगता है कि वो उनका शानदार दिमाग ही था जिसने बाद में उन्हें मार डाला.

वो सोचते थे कि हर कोई उनके आविष्कारों से उतना ही उत्साहित होगा जितना कि वो खुद थे. वो भूल जाते थे कि अन्य लोगों की भावनाएं होती हैं. और कुछ लोगों में बदला लेने की भावना भी काफी प्रबल होती है.

अगर वो मेरी तरह बेवकूफ होते तो शायद वो आज भी जिंदा होते.

आर्किमिडीज की मुसीबत तब शुरू हुई जब रोमन लोग सिरैक्यूज़ आए.

अध्याय दो

रोमनों का आगमन

"तुम मूर्ख हो, लिडा, एकदम मूर्ख," आर्किमिडीज ने मुझसे कहा. "मुझे नहीं पता कि मैंने तुम्हें काम पर क्यों रखा है. शायद तुम एक बहुत सस्ती नौकरानी होगी."

"मैं सस्ते से भी सस्ती हूं! क्योंकि आप मुझे कुछ भी वेतन नहीं देते हैं," मैंने उन्हें याद दिलाया.

"फिर तुम ज़िंदा कैसे रहती हो?" उन्होंने पूछा.

"मैं आपके लिए जो खाना पकाती हूं, उसमें से मैं भी थोड़ा सा खा लेती हूं, और मैं आपकी अटारी में एक पुआल के बिस्तर पर सोती हूं," मैंने जवाब दिया.

"हुह!" वो बड़बड़ाए. "मुझे लगता है कि मैं तुम्हें बहुत अधिक भुगतान करता हूँ."

"हाँ, सर," मैंने कहा.

उस दिन रोमन लोग हम पर आक्रमण करने आए. उनके जहाज सिरैक्यूज़ के तट से दूर शांत, नीले समुद्र में तैर रहे थे. उनके सैनिक डेक पर ही खड़े थे क्योंकि उनकी जमीन पर उतरने की हिम्मत नहीं हुई. नहीं तो दीवारों पर तैनात हमारे सैनिक उन्हें तीरों से मार देते.

"क्या रोम के लोग तट पर पर आने के बाद हमें मार डालेंगे, सर?" मैंने पूछा.

"बेवकूफ बच्ची," आर्किमिडीज ने कहा. "लिडिया, तुम एक जवान और स्वस्थ लड़की हो. वे तुम्हें कभी नहीं मारेंगे.

वे तुम्हें उठाकर ले जायेंगे और तुम्हें गुलाम बनाएंगे. पर फिर तुम्हें मेरे जैसा दयालु मालिक नहीं मिलेगा, क्यों है ना?"

"जी सर," मैंने कहा.

आर्किमिडीज का घर एक पहाड़ी की चोटी पर स्थित था. हमने बगीचे की दीवारों और शहर की दीवारों से जब नीचे देखा तब हमें रोमन जहाज गर्मी में थिरथिराते नज़र आए. सूरज बहुत तेज़ी से चमक रहा था. काश उस समय मैं ठंडे, नीले समुद्र में तैरने जा पाती.

"मैं उन जहाजों को नष्ट करना चाहता हूँ," आर्किमिडीज ने कहा.

"आप उन पर पत्थर फेंक सकते हैं," मैंने सुझाव दिया.

उन्होंने मेरी तरफ देखा और फिर अपने गंजे, पसीने से लथपथ सिर को कपड़े से पोछा. "बेवकूफ लड़की," उन्होंने कहा.

"क्या आप उन जहाज़ों के बारे में कुछ कर सकते हैं?' मैंने पूछा.

"शायद मैं कुछ आविष्कार कर सकता हूँ," उन्होंने कहा.

फिर मैंने ताली बजाई और मैं सूखी, भूरी घास पर कूदी. "यह अद्भुत होगा, सर," मैंने कहा. "आप एक अद्भुत आविष्कारक हैं. आपने पहले नदी से खेतों में पानी ले जाने का एक तरीका ईजाद किया था."

"हाँ," उन्होंने सिर हिलाया. "अब लोग उसे "आर्किमिडीज-स्क्रू (पेंच)" के नाम से बुलाते हैं."

"मुझे यकीन है कि आप उन जहाजों पर बड़े-बड़े पत्थरों को फेंकने के लिए ज़रूर एक मशीन का आविष्कार कर सकते हैं," मैंने कहा.

मेरे मालिक ने सिर हिलाया. "मेरे लिए एक पत्थर खोजकर लाओ, और फिर मैं तुम्हें दिखाऊंगा कि वैसा करना क्यों असंभव होगा," उन्होंने कहा.

बगीचे में पत्थर नहीं थे क्योंकि मैं खरपतवार और पत्थरों को, फूलों की क्यारी से दूर ही रखती थी. लेकिन बगीचे की दीवार के बाहर खेत में कुछ बड़े पत्थर पड़े थे.

"मैं अभी एक पत्थर लाती हूँ" मैंने कहा. आर्किमिडीज ने हाथ ऊपर खड़े किए. "मूर्ख बच्ची, वे पत्थर तुम्हारे उठाने के लिए बहुत बड़े हैं," उन्होंने कहा.

"फिर मैं पत्थर को दीवार के उस पार फेंक दूँगी," मैंने कहा.

"अगर तुम उसे उठा तक नहीं पाओगी तो फिर तुम उस पत्थर को फेंकोगी कैसे!" वो शेर की तरह दहाड़े.

"अरे, उन्हें फेंकना आसान है!" मैंने हंसते हुए जवाब दिया. फिर मैंने लकड़ी का वो तख़्ता उठाया, जिसे मेरे मालिक बगीचे के बैठने के लिए इस्तेमाल करते थे. मैंने तख्ते को अपनी बांह के नीचे दबा लिया, और बाहर मैदान में चली गई.

मैंने तख्ते के मध्य को, एक गोल पत्थर पर टिकाया और उसके एक सिरे को ज़मीन पर गिराया.

मैंने उस तख्ते के एक छोर पर एक बड़े पत्थर को रखा. फिर मैं तख्ते के दूसरे छोर पर कूदी. उससे पत्थर हवा में उड़ा.

मुझे वो नज़ारा आज भी याद है. मुझे अपने मालिक आर्किमिडीज का चिल्लाना आज भी अच्छी तरह याद है.

अध्याय 3

आर्किमिडीज की गुलेल

मेरा पत्थर बादल रहित आकाश में उड़ गया. वो दीवार के ऊपर से होकर नीचे बगीचे की ओर गया. अगर मेरे मालिक वहाँ खड़े नहीं होते तो पत्थर निश्चित रूप से बगीचे में चला जाता. उसकी बजाए वो पत्थर आर्किमिडीज के सिर की ओर मुड़ा.

मेरे मालिक के सिर पर बाल नहीं थे, जैसे सुंदर, युवा अजाक्स के सिर पर थे. अजाक्स के अच्छे बाल उसके खूबसूरत सिर के बीच में बंटे हुए हैं.

अगर मेरे मालिक के ऐसे बाल होते, तो पत्थर उन्हें बीच में बाँट देता. उसकी बजाए, पत्थर उनके सिर से टकराते-टकराते बचा.

आर्किमिडीज मौके पर हट गए और फिर पत्थर घास पर एक तेज़ प्रहार के साथ टकराया.

"उफ़!" मैंने मूर्खतापूर्ण मुस्कराहट के साथ कहा. "क्षमा करें सर!"

इस बार उन्होंने मुझे बेवकूफ नहीं कहा. वो कराह रहे थे और अब उनके पास मुझ से कुछ भी कहने को नहीं था.

उसके बाद मैं तख्ते को बगीचे में को वापस लाई, फिर उससे एक बेंच बनाई और उस पर मालिक को बैठा दिया.

"तुम ... तुम ...," वो शुरू हुए.

"मुझे पता है," मैंने कहा. "मैं मूर्ख हूँ."

उन्होंने अपना सिर हिलाया और जारी रखा, "तुम ... तुम ... मुझे मार ...."

"मैं एक बड़े पत्थर को फेंक सकती थी, और तब आप उसे बेहतर देख सकते थे," मैंने कहा.

उन्होंने अपना सिर हिलाया. "तुम ..... मुझे मार सकती थीं!" वो चिल्लाए.

"क्षमा करें, सर," मैंने कहा. "जब मैं छोटी थी तब मैं अपने भाइयों के साथ इस खेल को खेलती थी. हम कपड़े की गेंदों को हवा में उछालने के लिए एक छोटी सी तख्ती का इस्तेमाल करते थे. फिर हम देखते थे कि उस गेंद को कौन पकड़ सकता था. लेकिन मुझे यह पता था कि वो तकनीक एक पत्थर के लिए भी काम करेगा."

उन्होंने मेरी तरफ देखा. "तुमने ऐसा क्यों किया?" उन्होंने मांग की.

"क्योंकि आपने मुझे आपके लिए एक पत्थर खोजने के लिए कहा था," मैंने उत्तर दिया.

"मैंने कहा था?" उन्होंने पूछा.

"हाँ, आपने ही कहा था," मैंने कहा.

"तो मैंने ही कहा! मैं तुम्हें यह दिखाने जा रहा था कि रोमन जहाजों पर बड़े पत्थर फेंकना असंभव है," उन्होंने कहा.

"यदि आप ऐसा कहते हैं, सर," मैं बुदबुदाई.

"लेकिन अगर मुझे एक बहुत लंबा तख्ता मिलता ...," उन्होंने शुरू किया.

"एक पेड़ जितना लम्बा," मैंने कहा.

"हाँ,. एक पेड़ जितना लम्बा ... तब मैं उन जहाजों को डुबोने के लिए बड़े-बड़े पत्थर और बोल्डर फायर कर सकता था," उन्होंने कहा.

मैंने अपना मुंह अपने हाथ से ढक लिया.

"ओह, सर, यह तो शानदार है!" मैंने घोषणा की. "ओह, सर, मुझे पता था कि आप हमें बचाने के लिए कोई आविष्कार ज़रूर करेंगे! लोग आपके बारे में जो कहते हैं वो वाकई में सच है!"

"लोग क्या कहते हैं?" उन्होंने पूछा.

"कि आप सिरैक्यूज़ में सबसे चतुर व्यक्ति हैं!" मैंने जवाब दिया.

आर्किमिडीज मुस्कुराए और सिर हिलाया. "मैं ग्रीस में सबसे चतुर व्यक्ति हूं," उन्होंने घोषणा की. "वास्तव में, मैं दुनिया का सबसे चतुर व्यक्ति हूँ!"

अध्याय 4

आर्किमिडीज का पंजा

आप जानते हैं कि आगे क्या हुआ. वो इतिहास की किताबों में लिखा है. आर्किमिडीज ने अपनी शक्तिशाली फेंकने वाली मशीनें बनाईं. उसने उन्हें "कैटापुल्ट्स" या "गुलेल" कहा.

सिरैक्यूज़ के महामहिम ने भीड़ को मुख्य चौक में इकट्ठा किया. वो खुद महल की खिड़की पर खड़े हुए. "सिराक्यूज़ के लोगों सुनो, हम देवताओं द्वारा धन्य हैं," उन्होंने कहा. "अगर रोमवासियों के पास उनके जहाज हैं, तो हमारे पास आर्किमिडीज़ है - सिरैक्यूज़ का शेर!"

और हम सब सभी तब तक जय-जयकार करते रहे जब तक हमारे गले में खराशें नहीं पड़ीं.

"रोमन जहाज डूब गए हैं," महामहिम ने आगे कहा. "और बाकी को समुद्र में खदेड़ दिया गया है. महान आविष्कारक, आर्किमिडीज को सभी का हार्दिक धन्यवाद!"

तालियाँ और वाहवाही!

अगली सुबह, मैं अपने मालिक का नाश्ता बनाने के लिए अपने बिस्तर से उठी. मैंने उन्हें बगीचे में तालाब के पास घुटनों के बल बैठे हुए पाया. वो तालाब में तैर रहे खिलौने वाले जहाजों को एक खिलौने वाली गुलेल से मारने की कोशिश कर रहे थे.

"आप क्या नाश्ता पसंद करेंगे, सर?" मैंने पूछा.

उन्होंने मेरी ओर अपना हाथ हिलाया. जब वे किसी महान विचार के बारे में सोच रहे होते थे, तब वो अन्य चीजों को कोई महत्व नहीं देते थे.

"रात के दौरान, रोमन हमारे बंदरगाह में दुबारा घुस आए हैं," उन्होंने जल्दी से कहा.

"तो? हम उन्हें आपकी महान युद्ध मशीनों से मारकर डुबो सकते हैं," मैंने कहा.

उन्होंने एक कंकड़ उठाया और उसे खिलौने के गुलेल पर रखा. "देखो," उन्होंने कहा. "बंदरगाह में एक रोमन जहाज है. मैं उस पर एक पत्थर फेंक रहा हूं."

फिर उन्होंने फायर किया. पर पत्थर तालाब के बीच में जाकर गिरा और छोटा जहाज बच गया.

"फिर हम गुलेल को थोड़ा पीछे ले सकते हैं!" मैंने कहा.

"मैंने कोशिश की है, साधारण लड़की," उन्होंने जवाब दिया. उन्होंने गुलेल को कुछ पीछे लिया. उन्होंने फिर फायरिंग की. इस बार पत्थर तालाब के किनारे पर जाकर लगा.

"देखो?" वो कराह उठे. "वो पत्थर बंदरगाह से भी पीछे गिरा है. अगर हम इस तरह की गलती करेंगे तो हम अपने ही शहर को चकनाचूर कर देंगे. रोमन चतुर हैं. वे जानते हैं कि जब वे बंदरगाह के इतने करीब होंगे तो हम उन पर फायरिंग नहीं कर पाएंगे."

मैंने मॉडल को देखा और फिर बगीचे से एक टहनी उठाई. मैंने अपने अंगरखे से एक धागा लिया और उसे टहनी से लटकाया. मैंने एक पिन को मोड़ा.

"तुम यह क्या कर रही हो, बेवकूफ लड़की?" आर्किमिडीज ने पूछा.

"जब मैं छोटी बच्ची थी, तब मैं अपने भाइयों के साथ मछलियां पकड़ती थी," मैंने कहा.

मैंने अपनी छोटी छड़ को मॉडल जहाज के ऊपर लटकाया और उसे हवा में उठाया. "अगर रोमन बंदरगाह के बहुत करीब आते हैं, तो हम उन्हें पानी से इस तरह बाहर खींच सकते हैं!" मैंने हंसते हुए कहा.

"बेवकूफ बच्ची," वो बोले. "हम एक शक्तिशाली मछली पकड़ने वाली छड़ नहीं बना सकते. यह एक बेवकूफी से भरा विचार है."

"मुझे पता है, सर," मैंने आह भरी.

आर्किमिडीज ने अपनी उंगलियां चटखाईं.

"लेकिन अगर हमने एक लंबी क्रेन बनाई," वो मेरे हाथ से रॉड लेते हुए बड़बड़ाए, "तब हम बंदरगाह पर पहुंचकर रोमन जहाजों को पकड़कर खींच सकते हैं. हम किसी केकड़े के पंजे की तरह उन जहाज़ों को पकड़ सकते हैं! यूरेका!"

मैंने अपना मुंह अपने हाथ से ढक लिया. "ओह, सर, यह शानदार है!" मैं चिल्लाया. "ओह, सर, मुझे पता था कि आप हमें बचाने के लिए कोई आविष्कार ज़रूर करेंगे! आपके बारे में लोग जो कहते हैं उसमें बहुत सच्चाई है!"

"लोग क्या कहते हैं?" उसने पूछा.

"कि आप सिरैक्यूज़ में सबसे चतुर व्यक्ति हैं!" मैंने उत्तर दिया.

"हम इसे आर्किमिडीज का पंजा कहेंगे!" उन्होंने घोषणा की.

अध्याय 5

आर्किमिडीज का अंत

आर्किमिडीज के पंजे ने कई रोमन जहाजों को तोड़ा और उन्हें वापस समुद्र में खदेड़ दिया.

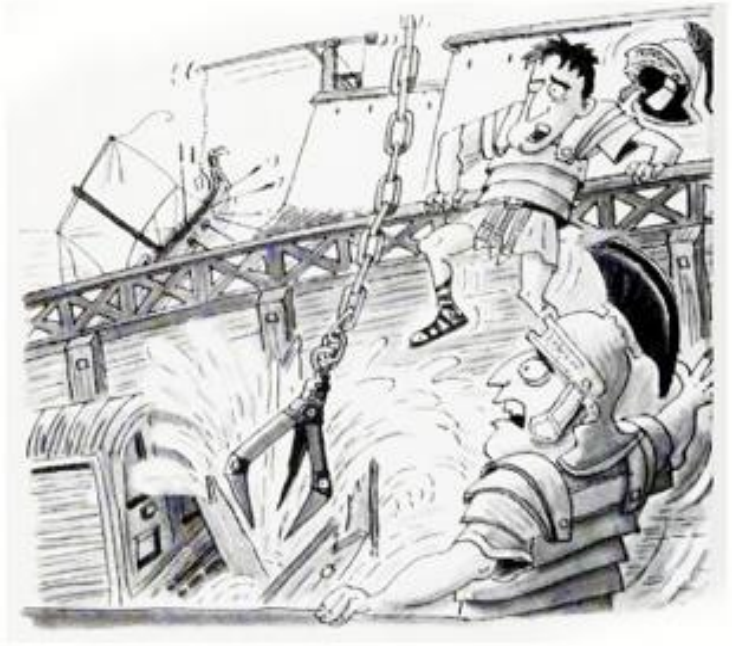

फिर सिरैक्यूज़ के महामहिम ने चौक में लोगों को इकट्ठा किया और उन्हें बताया कि मेरा मालिक कितना महान था. उन्होंने आर्किमिडीज को एक बहुत बड़ा ईनाम भी दिया.

यह बड़ी अजीब बात थी कि उनका महान दिमाग, सरल विचारों को लेकर उन्हें युद्ध के हथियारों में बदल सकता था. और वे विचार उन खेलों से आए थे जिन्हें मैं एक छोटी बच्ची जैसे खेलती थी.

मैं बहुत मूर्ख थी और यह नहीं देख पाती थी कि युद्ध जीतने में वे हमारी कैसे मदद कर सकते थे. लेकिन मुझे लगा कि मैं अपने मालिक के काम में हिस्सा ले रही हूं.

एक दिन, मैंने एक दर्पण का उपयोग करके आग लगाई. उस दर्पण ने सूरज की किरणों की चिलचिलाती किरणों को मोड़कर एक बिंदु पर केंद्रित किया.

आर्किमिडीज ने मुझे यह करते हुए देखा और फिर वो वहां से बड़बड़ाते हुए चले गए.

अगले दिन, मेरे मालिक ने एक विशाल धातु का दर्पण बनाया और उससे सूरज की चिलचिलाती किरणें रोमन बेड़े पर केंद्रित कीं. उससे रोमन जहाजों में आग लग गई.

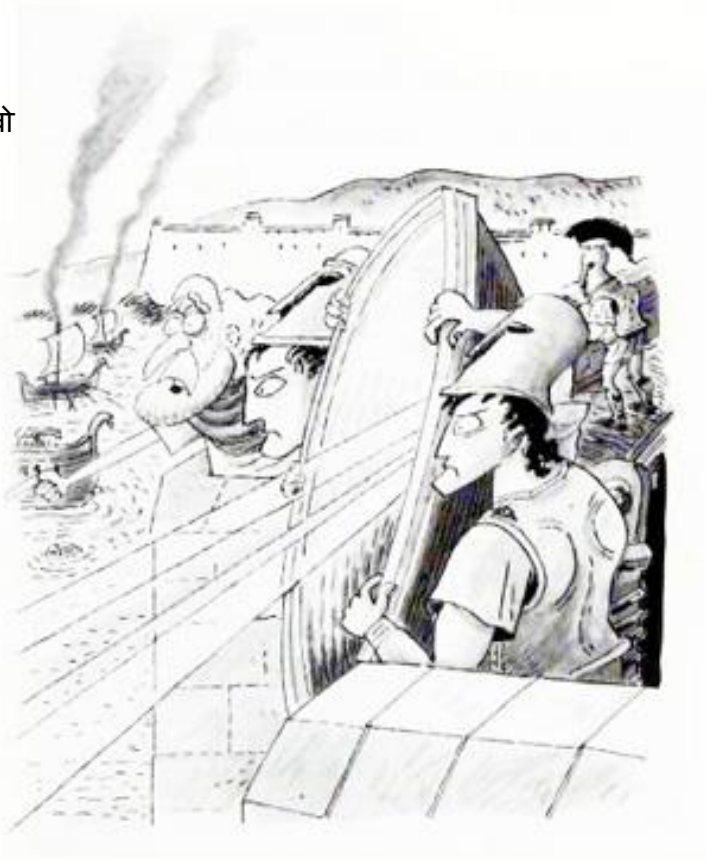

उसके बाद सिरैक्यूज़ के महामहिम ने मेरे मालिक को और अधिक धन दिया. मुझे उन पर बेहद गर्व था! मुझे लगता है, इसी तरह मैंने उन्हें मार डाला. खैर, मैंने खुद उनकी जान नहीं ली. लेकिन दोष मेरा ही था. मैं मूर्ख थी.

आप देखें, अंत में रोमन हमारी ज़मीन पर आ पहुंचे. वे हमारे शहर में घूमने लगे और लोगों को मारते रहे और उन्हें सजा देते रहे.

अंत में, वे पहाड़ी की चोटी पर हमारे घर पर आ पहुंचे. मेरे मालिक बगीचे में थे. वो कुछ नया करने की योजना बना रहे थे. वो एक डंडी से धूल में गोले बना रहे थे.

एक रोमन सैनिक हमारे फाटक के पास आया. "यहाँ कौन रहता है?" उसने पूछा.

"मेरे मालिक, आर्किमिडीज, सिरैक्यूज़ के शेर," मैंने गर्व से कहा. मैंने बगीचे की और इशारा किया जहाँ आर्किमिडीज मिट्टी में एक डंडी से कुछ खरोंच रहे थे.

सिपाही ने आह भरी और कहा, "हमने उनके बारे में सुना है. जनरल मार्सेलस ने कहा कि उन्हें कोई भी नुकसान नहीं पहुंचाएगा."

"आह!" मैंने कहा. "यह बड़ी अच्छी बात है. यह देखते हुए कि उन्होंने तुम्हारे साथ क्या किया है!"

सिपाही कुछ ठुनक गया. "तुम्हारा क्या मतलब, उन्होंने क्या किया?" उसने पूछा.
"वो विज्ञान और गणित करते हैं. वो हानिरहित है, क्यों है ना?"

"हा! यह बड़ी अच्छी बात है," मैं हँसी. "महान आर्किमिडीज ने गुलेल का आविष्कार करके आपके जहाजों को डुबोया था."

"मेरा दोस्त उसमें से एक जहाज में मारा गया था," सैनिक ने अपनी तलवार निकालते हुए कहा

"फिर उन्होंने आर्किमिडीज के पंजे का आविष्कार किया, और उससे आपके कई जहाजों को बर्बाद किया," मैंने कहा और फिर मैं हंसी.

"मेरा भाई उसमें से एक जहाज पर था और वो भी मारा गया," सिपाही ने अपने सिर के ऊपर तलवार उठाई और वो चिल्लाया.

"और, ज़ाहिर है, कि उन्होंने जलाने वाले दर्पण का आविष्कार किया जिसने रोम के कई जहाजों को झुलसा दिया," मैंने समाप्त किया.

"उस दर्पण से मेरा हाथ जल गया था!" सिपाही दहाड़ उठा. उसने मेरे मालिक की ओर कदम बढ़ाया और चिल्लाया, "आर्किमिडीज, तुम खलनायक, मेरे साथ आओ!"

मेरे मालिक ने रोमन सैनिक को दूर भगा दिया. जब वे अपने महान विचार सोच रहे होते थे, तब वे किसी अन्य को कोई महत्व नहीं देते थे. फिर उन्होंने कहा, "मिट्टी में बनाए मेरे गोलों को खराब मत करो."

ये मेरे मालिक के प्रसिद्ध अंतिम शब्द थे. वे उनके अंतिम शब्द थे क्योंकि सिपाही ने एक पागल आदमी के रोष में अपनी तलवार उनकी गर्दन पर चला दी.

अध्याय 6

एक गुलाम का जीवन

मैं जानती हूँ कि मैं मूर्ख हूँ. मुझे मारने वाले सैनिक को यह नहीं बताना चाहिए था कि आर्किमिडीज ने युद्ध की मशीनों का आविष्कार किया था.

मुझे कहना चाहिए था, "मैंने अपने मालिक को दिखाया कि गुलेल कैसे काम करती है. मेरी मछली पकड़ने वाली छड़ी ने उन्हें पंजे का विचार दिया. और मेरे दर्पण ने उन्हें दिखाया कि कैसे एक घातक सूर्य-किरण बनाई जाए."

लेकिन सिपाही इस बात पर विश्वास नहीं करता कि एक बेवकूफ लड़की के पास इतने अच्छे विचार हो सकते थे. अगर मैंने ऐसा कहा होता, तो शायद वो मुझे ही दोष देता. फिर शायद उसने मुझे ही मार डाला होता! शायद मेरी मूर्खता ने ही मेरी जान बचाई!

तो यह कहानी है कि कैसे सिरैक्यूज़ के शेर का जीवन समाप्त हुआ. लेकिन शेर के गुलाम का क्या हुआ? मेरे साथ क्या हुआ?

आपको यह सुनकर आश्चर्य नहीं होगा कि मेरे मालिक ने सही कहा था. मुझे रोमन लोगों ने गुलाम बनया. लेकिन वो इतना बुरा जीवन नहीं था. मेरा नया मालिक काफी दयालु था.

वास्तव में, वह पुराने आर्किमिडीज की तुलना में मेरे प्रति बहुत दयालु था, और उसने मुझे कभी बेवकूफ नहीं बुलाया!

काश मेरे बूढ़े मालिक ने मरने से पहले अपनी कुछ दौलत मेरे साथ बांटी होती. सिरैक्यूज़ के महामहिम ने उसे चतुर मशीनों के लिए बहुत धन दिया था. पर मुझे कुछ भी नहीं मिला, हालांकि मुझे कभी-कभी लगता है कि मैंने उन आविष्कारों को बनाने में मदद की थी.

लेकिन फिर मुझे याद है कि ईसप ने एक बार यह कहा था, "आप किसी महान व्यक्ति के काम में हाथ बंटा सकते हैं, लेकिन उसके पुरस्कार में आपको हिस्सा नहीं मिलेगा."

अंत के शब्द

आर्किमिडीज लगभग 287 से 212 ईसा पूर्व यूनान में रहते थे. वह ग्रीस (यूनान) के सबसे चतुर व्यक्तियों में से एक थे. जब सिरैक्यूज़ के ग्रीक उपनिवेश पर हमला हुआ, तो उन्होंने वास्तव में रोमियों को बाहर रखने में मदद करने के लिए युद्ध मशीनों का आविष्कार किया. आज, हम पक्की तौर पर यह नहीं कह सकते कि उनकी सभी मशीनों ने काम किया होगा, लेकिन फिर भी उनके विचारों में काफी दम था.

आविष्कारों में मदद करने वाली लिडिया की कहानी सच नहीं है. लेकिन 215 ईसा पूर्व से, आर्किमिडीज और उसके सैनिकों ने रोमन सेना को तीन साल तक बाहर रखा.

जब रोमियों ने सिरैक्यूज़ में अपनी लड़ाई लड़ी, तब वे आर्किमिडीज़ से बहुत नाराज़ थे. लेकिन वे जानते थे कि आर्किमिडीज एक महान व्यक्ति थे, और रोमन सैनिकों को यह निर्देश दिया गया था कि वे आर्किमिडीज को कोई नुकसान नहीं पहुंचाएं.

दुख की बात है कि आर्किमिडीज धूल में गणित के एक प्रश्न को हल करने में व्यस्त थे. उन्होंने उस रोमन सैनिक की उपेक्षा की जिसे उन्हें खोजने के लिए भेजा गया था. सिपाही बहुत उग्र हो गया और उसने उस महान असहाय आविष्कारक को मार डाला. अपनी तलवार के एक वार से, उसने दुनिया के अब तक के सबसे चतुर लोगों में से एक को मार डाला.

आर्किमिडीज को सिरैक्यूज़ का शेर कहा जाता था. आर्किमिडीज जैसे महापुरुषों को हजारों वर्षों बाद भी याद किया जाता है. लेकिन वो केवल अपने दम पर रोमन सेना को नहीं हरा सकते थे. उनकी मदद के लिए उन्हें नौकरों और अन्य सैनिकों की जरूरत पड़ी होगी.

आर्किमिडीज, सैकड़ों लोगों की मदद से रोमन सेना को तीन साल तक रोक सके. उनके ज्यादातर साथियों को अब लोग भूल गए हैं.

ईसप ने जो कहा था वो सच है, "आप किसी महान व्यक्ति के काम में हाथ बंटा सकते हैं, लेकिन उसके पुरस्कार में आपको हिस्सा नहीं मिलेगा."

समाप्त